TERM PAPER-1

समेटिव असेसमेंट–I (Summative Assessment-I)

based on CCE

पाठ 01–09 पूर्णांक : 60

पढ़िए (Reading) **(10)**

शिक्षा के बिना मनुष्य पशु तुल्य है। शिक्षा हमारे अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करती है और ज्ञान रूपी प्रकाश को फैलाती है। हमारे देश में भी असंख्य निरक्षर जनता है। इसकी निरक्षरता को दूर करने के लिए साक्षरता आंदोलन आरंभ हुआ। असंख्य अनपढ़ नर–नारियों को साक्षर बनाने के प्रयत्न भी आरंभ हुए। गाँवों में अशिक्षितों को शिक्षित करने के साथ–साथ उनके मनोरंजन, स्वास्थ्य और ज्ञान वृद्धि की ओर भी ध्यान दिया जाने लगा। प्रौढ़ शिक्षा का तात्पर्य ऐसे निरक्षरों को साक्षर बनाना है जो परिस्थिति वश बचपन में पढ़ाई न करके रोजगारों में लग गए। प्रौढ़ व्यक्ति स्कूल में नहीं जा सकते और न ही दिन में अपनी पढ़ाई कर सकते हैं। इसलिए इनके लिए घर के समीप ही संध्याकालीन पढ़ाई की व्यवस्था की जाती है।

ऊपर लिखे गद्यांश को पढ़िए तथा नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. **सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए–** (2)

   (क) शिक्षा के बिना मनुष्य किसके समान है?

   भगवान के ☐ पशु के ☐

   (ख) शिक्षा किस अंधकार को दूर करती है?

   अज्ञान के ☐ अँधेरे के ☐

2. **रिक्त स्थान भरिए–** (2)

   (क) हमारे देश में भी असंख्य निरक्षर जनता है। इसकी निरक्षरता को दूर करने के लिए .... आरंभ हुआ।

   (ख) .... और न ही दिन में अपनी पढ़ाई कर सकते हैं।

3. **इन शब्दों के अर्थ लिखिए–** (2)

   परिस्थिति– ...., प्रौढ़– ....

   वृद्धि– ...., व्यवस्था– ....

4. **इन शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–** (2)

शिक्षित– .... , नर– ....

निरक्षर– .... , आरंभ– ....

5. **इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** (2)

(क) प्रौढ़ शिक्षा से क्या तात्पर्य है?

(ख) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

व्याकरण (Grammer) **(20)**

1. **निम्नलिखित शब्दों के उचित संधि-विच्छेद पर सही ✓ का निशान लगाइए–** (2)

तथैव = तथा + एव ☐ तथै + एव ☐

राजर्षि = राजा + ऋषि ☐ राज + ऋषि ☐

2. **सही (✓) का निशान लगाकर वाक्य के भेद बताइए–** (2)

(क) हजार बार तुम्हें कहा है कि जो कालीन बनाओ, उसे सँभाल कर रख दो।

सरल वाक्य ☐ संयुक्त वाक्य ☐ मिश्रित वाक्य ☐

(ख) बच्चे ने झिझककर सिर हिलाया और चौंककर उसे देखने लगा।

सरल वाक्य ☐ संयुक्त वाक्य ☐ मिश्रित वाक्य ☐

3. **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द छाँटकर लिखिए–** (3)

नीर	पानी	धरा	मेघ	दिनकर	दिवाकर
वायु	शशि	इंदु	ज़मीन	समीर	वारिध

चाँद– .... धरती– ....

हवा– .... सूर्य – ....

जल– .... बादल– ....

4. **नीचे लिखे वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को <u>रेखांकित</u> कीजिए–** (3)

(क) आज मैंने उस टीम को देखा जो कभी थी ही नहीं।

(ख) मैं अपने माता-पिता का नाम रोशन करूँगा।

(ग) उसकी एक गलत हिट ने भारत को हार का मुँह दिखाया।

5. **वर्ण-विच्छेद कीजिए–** (2)

दुर्भाव = ... गुरुद्वारे = ...

6. **दिए गए संज्ञा के दो-दो नाम लिखिए–** (3)

व्यक्तिवाचक संज्ञा– ....

जातिवाचक संज्ञा– ....

भाववाचक संज्ञा– ....

7. **दिए गए समस्त-पदों का समास-विग्रह कीजिए–** (2)

घर-घर– ....

विचारमग्न– ....

प्राणप्रिय– ....

मदमस्त– ....

8. **'अ' उपसर्ग जोड़कर कोई तीन शब्द बनाइए–** (3)

....

लेखन (Writing) **(10)**

1. 'इंटरनेट की दुनिया' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए। (5)
2. खेल-कूद के महत्त्व को दर्शाते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। (5)

पाठों से (From the Lesson) **(20)**

1. **किसने, किससे कहा?** (3)

(क) आप इस लोटे को रद्दी बताते हैं? आश्चर्य! मैं तो आपको एक विज्ञ और सुशिक्षित आदमी समझता था।

बिलवासी ने साहब से ☐ झाऊलाल ने बिलवासी से ☐

(ख) मैं तो फिर भी बड़ा हूँ, मुझसे भी छोटे बच्चे यह काम करते हैं।

अज़ीज़ ने दिव्या से ☐ अज़ीज़ ने विकी से ☐

(ग) अभी हमें प्रतीक्षा करनी होगी। मेरे पास यात्रा के लिए पैसे नहीं हैं।

एफिम ने एलिशा से ☐ एलिशा ने एफिम से ☐

2. **'निश्छल भाव' कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–** (2)

मेरे अंदर एक .... धूप
देर तक ....
.... पसर जाती है।
शाम ढले, ...
.... हुई गिरजाघर की
चोटी को चूमकर ....

3. **अति लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** (2)

(क) बाधाओं और विघ्नों से कौन नहीं घबराता?

(ख) सिडनी की चमक–दमक, हार–जीत सब कुछ के बीच कबीर की नज़र कहाँ टिकी थी?

4. **लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** (4)

(क) कारखाने के मालिक ने अपनी शान दिखाते हुए क्या तर्क दिए?

(ख) वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और रोकथाम के कोई दो उपाय लिखिए।

5. **निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** (6)

(क) युवकों के लिए डॉ॰ कलाम का क्या संदेश है?

(ख) मानव स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कौन–से संस्थान बस्ती से दूर होने चाहिए?

6. **भावार्थ लिखिए–** (3)

देखकर बाधा विविध, बहु विघ्न, घबराते नहीं।
रह भरोसे भाग्य के, दुख भोग पछताते नहीं।।
काम कितना ही कठिन हो किंतु उकताते नहीं।
भीड़ में चंचल बने जो वीर दिखलाते नहीं।।
हो गए इक आन में उन के बुरे दिन भी भले।
सब जगह सब काल में, वे ही मिले फूले–फले।।